"शहर चलो अभियान" अंत्योदय की संकल्पना को साकार करेगा

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर शहरी क्षेत्रों में अभियान का निर्णय लिया

जयपुर, 2 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक राहत पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। "शहर चलो अभियान" इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर के शहरी क्षेत्रों में चलाया जाएगा। अभियान

- **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा में 4 से 13 सितम्बर तक प्री कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिये, जिनमें अधिकारी वॉर्डों का दौरा कर पार्षदों से चर्चा करेंगे और समस्याओं को चिन्हित करेंगे।**

के सफल संचालन के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रभावी कार्ययोजना बनाकर उसे जमीनी स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि इस अभियान से शहरी निकायों में बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण होगा और सेवाओं को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि "शहर चलो अभियान" से पहले प्री-कैम्प आयोजित किए जाएं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान से पहले 4 से 13 सितम्बर तक प्री-कैम्प आयोजित किए जाएं, जिसमें अधिकारी वार्डों का दौरा कर पार्षदों से चर्चा करें और समस्याओं का चिन्हीकरण करें। इससे मुख्य शिविरों के दौरान लोगों को तत्काल और सुगम राहत मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत सफाई व्यवस्था में सुधार, नई स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना, आवारा पशुओं की पकड़, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव व सौन्दर्यीकरण, सड़क मरम्मत जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे। साथ ही पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण वितरण, पीएम सूर्यघर योजना के आवेदन प्राप्त करना, सामुदायिक भवनों, आंगनबाड़ी और विद्यालयों की मरम्मत जैसे कार्य भी अभियान के तहत संपादित किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार शहरी ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के सुनियोजित विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। स्वच्छता, पेयजल, सड़क और सीवरेज जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि प्रदेश का संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

चुनाव आयोग का पवन खेड़ा को नोटिस

नयी दिल्ली, 02 सितम्बर। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने दो जगह वोटर सूची में नाम होने के आरोप में कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को नोटिस भेजा है और आठ सितम्बर तक जवाब देने को कहा है।

- **पवन खेड़ा का नाम दिल्ली के दो क्षेत्रों, काका नगर और डी ब्लॉक जंगपुरा में पाया गया है।**

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि खेड़ा का नाम दिल्ली विधानसभा क्षेत्र 40 के काका नगर के पते पर है और दिल्ली विधानसभा क्षेत्र 41 के डी ब्लॉक जंगपुरा के पते पर पाया गया है। खेड़ा को भेजे नोटिस में चुनाव अधिकारी ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत एक व्यक्ति के दो जगह से वोटर लिस्ट में नाम होना दंडनीय अपराध है। चुनाव अधिकारी कार्यालय ने कहा कि इस नियम के तहत उन्हें नोटिस भेजा जा रहा है और इसका जवाब निर्वाचन अधिकारी को आठ सितम्बर सुबह 11 बजे तक मिलना चाहिए।

तेज बारिश से भिवाड़ी में अधिकांश इलाके पानी में डूबे

घरों, दुकानों, बैंकों व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तक में पानी घुसा, सड़कें नदी बनीं

अलवर, 2 सितम्बर। भिवाड़ी में सोमवार रात से लगातार हो रही तेज बारिश ने इस औद्योगिक नगरी को जलमग्न कर दिया है। शहर के अधिकांश इलाके पानी में डूब चुके हैं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। घरों, दुकानों, बैंकों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तक में पानी घुस गया है, वहीं सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं हैं।

- **भिवाड़ी-धारूहेड़ा सीमा पर बना चार फीट ऊंचा रैंप पानी में पूरा डूबा।**

जानकारी के अनुसार, बारिश का सबसे ज्यादा असर यूआईटी गौरव पथ, सेंट्रल मार्केट, भिवाड़ी बायपास और भगत सिंह कॉलोनी में देखने को मिल रहा है। बस स्टैंड के आसपास भी हालात बेहद खराब हैं। सड़कों पर भरे पानी के कारण गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे, जिससे वाहन चालक अंदाजे से गाड़ियां चला रहे हैं। खिजुरिवास के पास टोल टैक्स पर हाइवे क्षतिग्रस्त हो गया है। यहां गहरे गड्ढों में वाहन फंस रहे हैं, जिससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। दोपहिया वाहनों का चलना लगभग असंभव हो गया है।

यूआईटी थाने के सामने डेढ़ से दो फीट तक पानी बह रहा है, जिससे थाना भवन भी जलमग्न हो गया है। भिवाड़ी-धारूहेड़ा सीमा पर बना चार फीट ऊंचा रैंप भी पूरी तरह डूब चुका है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल और सुखम टॉवर के सामने करीब पांच फीट पानी भर गया है, जो धारूहेड़ा की ओर फैल गया है। इससे धारूहेड़ा के सेक्टर 4 और 6 भी बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के पानी के निकास की उचित व्यवस्था न होने के कारण बाढ़ जैसे हालात बने हैं। प्रशासन की ओर से जल निकासी के प्रयास नाकाम साबित हुए हैं। न तो सड़कों पर कोई अधिकारी नजर आ रहा है और न ही सरकारी मशीनरी सक्रिय है।

ऐसे में रोटरी क्लब भिवाड़ी ने राहत कार्य की जिम्मेदारी संभाली है। क्लब की ओर से भिवाड़ी बायपास और भगत सिंह कॉलोनी में ट्रैक्टर लगाए गए हैं, जिनकी मदद से लोगों को पानी से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। अलवर शहर में सुबह से घने बादल छाए हुए हैं। रात को भी बारिश हुई। देर शाम की बारिश से अलवर शहर में कई जगहों पर दो-दो फीट पानी भर गया। बहुत से घरों के अंदर पानी चला गया। कोतवाली थाने के अंदर भी पानी भर गया।

मोदी की पुतिन व जिनपिंग के साथ नज़दीकी पर बौखलाया अमेरिका

वॉशिंगटन, 02 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एससीओ समिट में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की आलोचना की है।

- **अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापारिक सलाहकार ने तीनों नेताओं के मेलजोल पर बड़ी हल्की टिप्पणी की**
- **नवारो ने यह भी कहा कि मोदी को पुतिन व जिनपिंग के नज़दीक देखना बेहद खराब और शर्मनाक था।**

नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ नजदीकी को नवारो ने रणनीतिक भूल बताया है। उन्होंने कहा कि मोदी जिस तरह जिनपिंग और पुतिन के साथ घुले-मिले, वह देखना शर्मनाक था। उनको समझना होगा कि उन्हें हमारे साथ रहना चाहिए। नवारो ने चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान जिनपिंग, मोदी और पुतिन की मुलाकात पर यह टिप्पणी की।

एससीओ समिट पर बयानबाजी करते हुए बौखलाए पीटर नवारो ने बेहद हल्की भाषा का प्रयोग भी किया। नवारो ने कहा, नरेंद्र मोदी की चीन और रूस के राष्ट्रपति के साथ नजदीकी देखना निश्चित रूप से खराब था। मुझे लगता है कि भारतीय पीएम को इससे बचना चाहिए था।

नवारो ने भारत के रुख की तुलना अमेरिका के दूसरे व्यापारिक साझेदारों से की। उन्होंने कहा, भारत ने हमारे साथ जापान, कोरिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ की तरह बातचीत नहीं की है। उन्हें बस लगता है कि वे हमारे साथ अपनी मनमानी जारी रख सकते हैं। उन्हें समझना चाहिए ट्रंप ऐसा नहीं होने देंगे।

के. चन्द्रशेखर राव की बेटी कविता भारत राष्ट्र समिति से निष्कासित

कविता पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। पर मूल वजह कविता द्वारा अपने पिता केसीआर को लिखे गए पत्र को बताया जा रहा है, जो लीक हो गया।

हैदराबाद, 02 सितंबर। तेलंगाना की पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने अपनी एमएलसी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता को पार्टी से निलंबित कर दिया है। बीआरएस ने कहा कि हाल के दिनों में कविता के व्यवहार और उनकी गतिविधियां पार्टी के हितों के खिलाफ रही हैं। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और संगठन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। बीआरएस ने कहा है कि पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर राव ने एमएलसी कविता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला लिया है।

- **पत्र में कविता ने अपने पिता को लिखा था, पापा आपको भाजपा के खिलाफ तीखा बोलना चाहिए था, क्योंकि भाजपा की वजह से मुझे कष्ट हुआ था।**

कविता को पार्टी से ऐसे समय में बर्खास्त किया गया है, जब बीआरएस पहले से ही अंदरूनी चुनौतियों का सामना कर रही है। बर्खास्तगी से एक दिन पहले कविता ने उस समय पार्टी के भीतर तूफान खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर केसीआर की छवि को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव और पूर्व सांसद मेघा कृष्णा रेड्डी पर, उनके पिता चंद्रशेखर राव पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाने का आरोप लगाया और दावा किया कि हरीश राव और संतोष कुमार ने उन्हें हाशिये पर धकेलने की साजिश रची।22 अगस्त को कविता जब विदेश में थीं, तब उन्हें अचानक तेलंगाना बोग्गु घानी कर्मिका संघम (टीबीजीकेएस) की मानद अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। उन्होंने इसे एक साजिश बताया था और कहा था कि यह कदम पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है।कविता ने आरोप लगाया था कि टीबीजीकेएस के लिए चुनाव उनकी बिना जानकारी के पार्टी दफ्तर में हुआ और यह श्रम कानूनों का उल्लंघन भी हो सकता है। उन्होंने कहा, मैंने केवल पार्टी के अंदरूनी कामकाज पर सवाल उठाया, इसी बात की मुझे सजा दी जा रही है। उन्होंने इसके लिए पार्टी के कुछ लोगों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने यह भी बताया कि बीआरएस की बैठक के बाद जो पत्र उन्होंने अपने पिता और पार्टी अध्यक्ष को लिखा था, उसका लीक होना उनके खिलाफ माहौल बनने की वजह बना। उस पत्र में कविता ने लिखा था, आप (केसीआर) ने केवल दो मिनट बोला और उसी से कुछ लोग यह अटकलबाजी करने लगे कि भविष्य में भाजपा से गठबंधन होगा। मुझे भी व्यक्तिगत रूप से लगा कि आपको भाजपा के खिलाफ और तीखा बोलना चाहिए था। शायद इसलिए क्योंकि मुझे भाजपा की वजह से ही कष्ट झेलना पड़ा। लेकिन पापा, आपको और सख्त रुख अपनाना चाहिए था।

'अदालत के आदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी प्राप्त कर ली है। इसके अलावा याचिकाकर्ता को दी जाने वाले बकाया राशि का भुगतान दो सप्ताह में कर दिया जाएगा। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 11 सितंबर को तय करते हुए किए जाने वाले भुगतान का साक्ष्य देने और राशि अदा नहीं करने की सूरत में दोनों अधिकारियों को हाजिर होने को कहा है। अवमानना याचिका में अधिवक्ता अजय गुप्ता ने बताया कि अदालत ने याचिकाकर्ता को साल 1997 से नियमितीकरण का लाभ देते हुए उसे बकाया भुगतान करने को कहा था। इसके बावजूद विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की गई।

अफगानिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामग्री में कंबल, टेंट, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, पोर्टेबल वाटर प्यूरीफायर, ओआरएस घोल और चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों सहित 21 टन राहत सामग्री आज काबुल पहुंच गयी।

डॉ. दीपक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बीच राजनयिक संबंध 1972 में स्थापित हुए थे। दोनों देशों के बीच पिछले छह-सात वर्षों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के बाद इनमें नयी ऊर्जा आयी है। अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ-साथ वहां के कुछ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने भी भारत की यात्रा की है।

आठ साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य सरकार मामले में भू-अभिलेख निरीक्षक पद पर पदोन्नति के लिए विभागीय परीक्षा करवाए जाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद बोर्ड ने परीक्षा नहीं करवाई। वहीं बाद में राज्य सरकार ने अवमानना याचिका में सुनवाई के दौरान शपथ पत्र दायर कर कहा कि उन्होंने 7 मार्च 2019 को विभागीय परीक्षा का विज्ञापन जारी कर आदेश की पालना कर दी है। इसके बाद भी यह विभागीय परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। जबकि परीक्षा के लिए स्वीकृत पदों पर डीपीसी के जरिए कनिष्ठ कार्मिकों को पदोन्नति दे दी है। इसलिए अदालती आदेशों की पालना करवाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने रैवेन्यु बोर्ड के रजिस्ट्रार से शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

'पश्चिमी देशों की सारी मेहनत ट्रंप ने बर्बाद कर दी'

वाशिंगटन, 02 सितंबर। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सलाहकार जॉन बोल्टन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की आलोचना की है। जॉन बोल्टन का कहना है सोवियत संघ से नजदीकी और चीन से बढ़ ते खतरे के बावजूद पश्चिमी देशों ने भारत के साथ रिश्ते मजबूत किए थे, लेकिन ट्रंप के टैरिफ ने दशकों पुरानी सारी मेहनत बर्बाद कर दी।

- **अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्ट ने कहा, पश्चिमी देशों ने कई दशकों की मेहनत के बाद भारत को रूस से दूर किया था।**
- **जॉन बोल्टन ने कहा, अमेरिका की नीति से हटकर ट्रंप पाकिस्तान व उसके सेना प्रमुख आसिम मुनीर को खुश करने में लगे हैं।**

जॉन बोल्टन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट शेयर करते हुए ट्रंप की जमकर आलोचना की। बोल्टन का कहना है कि ट्रंप आर्थिक दृष्टिकोण अपनाकर रणनीतिक फायदों को खतरे में डाल रहे हैं।

जॉन बोल्टन ने यहां तक कह दिया कि ट्रंप के कारण चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्वी देशों के साथ अपने रिश्ते सुधारने का मौका मिल गया है। जॉन बोल्टन के अनुसार, "पश्चिमी देशों ने भारत को सोवियत संघ, यानी रूस और चीन से दूर रखने में दशकों लगा दिए थे। डॉनल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति के कारण सारे प्रयासों पर पानी फेर दिया।"

प्रमुख अमेरिकी वकील ने कहा कि ट्रम्प के फैसले का नुकसान पूरे देश को भुगतना होगा। ट्रम्प ने अपने निजी फायदे के लिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ये ट्रम्प की विदेश नीति का वो पहलू है जिसे अभी तक नहीं उठाया गया।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प, अमेरिका की विदेश नीति से अलग हटकर पाकिस्तान और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि अमेरिका हमेशा से भारत के साथ अच्छे रिश्ते रखना चाहता है। भारत से अच्छे रिश्ते बनाने में अमेरिका को फायदा है।

'कांग्रेस ने सुनियोजित तरीके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। आप ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आप के शीर्ष नेताओं के खिलाफ जानबूझकर वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारा। केजरीवाल के खिलाफ संदीप दीक्षित, सिसोदिया के खिलाफ फरहाद सूरी तथा आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को उतारा गया। आप ने इसे कांग्रेस की सुविचारित रणनीति का प्रमाण बताया। बात यहीं नहीं रुकी, दिल्ली में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की एक विवादास्पद तस्वीर भी वायरल हुई, जिसमें कांग्रेस नेता देवेन्द्र यादव मंच पर आप की बागी सांसद स्वाति मालीवाल के साथ खड़े दिखाई दिए।

प. बंगाल विधानसभा में भारी हंगामा

कोलकाता, 02 सितंबर। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। यह विशेष सत्र बंगाली भाषी प्रवासियों के कथित उत्पीड़न की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर चर्चा के लिए बुलाया गया था। चर्चा के दौरान शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने भाषण दिया। तभी शुभेंदु अधिकारी ने बीच में खड़े होकर विरोध जताया और आरोप लगाया कि मंत्री ने भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है।

- **नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी एक दिन के लिए विधानसभा से निलंबित।**

शुभेंदु अधिकारी ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और मांग की कि शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु की टिप्पणी को कार्यवाही से हटाया जाए। लेकिन अध्यक्ष ने यह मांग खारिज कर दी। अध्यक्ष ने कहा, आप लगातार भाषणों में बाधा डाल रहे हैं और अपनी सीट छोड़ रहे हैं। मुझे मजबूरन आपको दिनभर के लिए निलंबित करना पड़ रहा है। इस फैसले पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मेज थपथपाकर खुशी जताने लगे।

इसके बाद भाजपा विधायकों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। इस दौरान भाजपा विधायकों ने, "हमें नहीं चाहिए यह तुष्टिकरण वाली ममता सरकार" सहित कई नारे लगाये।

अपने भाषण में शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि सेना ने गांधी प्रतिमा (मायो रोड) के पास टीएमसी का एक धरना पंडाल हटाया था। उन्होंने इस घटना की तुलना 1952 के भाषा आंदोलन से की, जब पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में लोग अपनी मातृभाषा और पहचान की रक्षा के लिए शहीद हुए थे। उनकी इसी टिप्पणी को शुभेंदु अधिकारी ने सेना का अपमान बताया।

चन्द्रबाबू नायडू के राजनीतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वाकांक्षा की ओर संकेत करते हुये कहा, "अगर परिस्थितियाँ अनुकूल हुईं, तो नायडू एक व्यापक गठबंधन के सर्वसम्मति चेहरे के रूप में उभर सकते हैं।" राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि नायडू का दिल्ली की राजनीति में किंगमेकर की भूमिका निभाने का इतिहास रहा है। बीते तीन दशकों में अनेक राजनीतिक तूफानों को झेलने के बाद उन्होंने एक रणनीतिकार और सर्वाइवर होने की प्रतिष्ठा अर्जित कर ली है। क्षेत्रीय हितों और राष्ट्रीय राजनीति के बीच संतुलन बनाने की उनकी क्षमता उन्हें गठबंधन राजनीति के दौर में अक्सर अपरिहार्य सिद्ध कर चुकी है।

जहां एक ओर टीडीपी अपने नेता के 30 साल पूरे होने का गौरवपूर्ण जश्न मना रही है, वहीं विश्लेषकों का मानना है कि नायडू की यह उपलब्धि राष्ट्रीय राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकती है। मोदी सरकार के लिए, जो पहले ही राजनीतिक उथल-पुथल से गुजर रही है, अमरावती से उठते संकेत एक और नई चुनौती बन सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी की जमानत बरकरार रखी

उदयपुर के बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद को हाई कोर्ट ने जमानत दी थी

उदयपुर, 2 सितम्बर (का.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने उदयपुर के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद की जमानत को बरकरार रखा है।

- **कन्हैया लाल के पुत्र यश तेली और राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आरोपी की जमानत रद्द करने की मांग की थी।**

मोहम्मद जावेद को राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा जमानत दी गई थी और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करने से इन्कार कर दिया। अदालत ने कहा कि आरोपी की उम्र अपराध के समय मात्र 19 साल थी और मुकदमा अभी शुरुआती चरण में है, ऐसे में हाईकोर्ट द्वारा दिए गए जमानत मंजूर करने के आदेश में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

उल्लेखनीय है कि पीड़ित कन्हैयालाल के बेटे यश तेली और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जावेद को हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत रद्द करने की मांग की थी। उनका तर्क था कि हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ मौजूद अहम सबूतों को नजरअंदाज़ किया है। उन्होंने कहा कि आरोपी पर हत्या की साजिश रचने में मदद का गंभीर आरोप है।

आपको बता दें कि जून 2022 में उदयपुर के टेलर कन्हैयालाल की दुकान में आरोपियों मो. रियाज और मो. गोस ने दिनदहाड़े गला काटकर उसकी हत्या कर दी थी। हत्या का वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया था।

हत्या का कारण यह बताया गया कि कन्हैयालाल ने भाजपा की तत्कालीन राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद संबधी बयान के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली थी। जांच में सामने आया कि कई अन्य लोगों ने हमलावरों को सहयोग ि3दया, जिनमें से जावेद पर हत्यारों को कन्हैयालाल की गतिविधियों की जानकारी देने का आरोप है।

5 सितंबर, 2024 को राजस्थान हाईकोर्ट ने जावेद को यह कहते हुए जमानत दी थी कि उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बैंच ने कहा कि मुकदमे में कुल 166 गवाह हैं, जिनमें अब तक केवल 8 की गवाही हुई है।

सुनवाई लंबी चल सकती है, इसलिए आरोपी को जमानत से वंचित करना उचित नहीं होगा।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट की टिप्पणियों से निचली अदालत प्रभावित न हो और जावेद को दी गई जमानत का मतलब यह नहीं कि उसे किसी अन्य राहत का हकदार माना जाए। एनआईए और पीड़ित पक्ष की याचिका खारिज कर अदालत ने निचली अदालत को निष्पक्ष सुनवाई का निर्देश दिया।

चीन, रुस नॉर्थ कोरिया व ईरान,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के सामने झुकता हुआ दिखाई दे रहा है। कम से कम फिलहाल के लिए तो रूस चीन से मिले पैसों, हथियारों और पुर्ज़ों के बिना शायद ही टिक पाए। उत्तर कोरिया तो रूस को यूक्रेन में ज़मीन पर लड़ाई लड़ने के लिए अपने सैनिक तक दे रहा है। ईरान पर भी रूस बहुत ज़्यादा निर्भर है, खासकर यूक्रेन में युद्ध के लिए ड्रोन मुहैया कराने के मामले में। इस पूरे घटनाक्रम में भारत, रूस और चीन के साथ खड़ा दिखता है, लेकिन इस नए गठबंधन में वो मुख्य खिलाड़ी नहीं हो सकता है। दरअसल, इस गठबंधन का असली केन्द्र चार देश हैं, चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान।

इस एस.सी.ओ. बैठक ने अमेरिका के प्रयासों और उसकी स्थिति को भारी चोट पहुंचाई है। अमेरिका ने रूस को दुनिया से अलग-थलग करने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन हुआ बिल्कुल उल्टा। अब रूस अकेला नहीं है, बल्कि उल्टा अमेरिका ही अकेला पड़ता दिख रहा है।

भारत की स्थिति कुछ अलग है। अमेरिका के अहंकारी रवैये के कारण भारत को इस नए वैकल्पिक समूह में शामिल होना पड़ा, लेकिन फिर भी वह उसका मुख्य हिस्सा नहीं है।

भारत ने चीन द्वारा खड़े किए जा रहे इस नए वैश्विक ढांचे की बैठक में ज़रूर हिस्सा लिया, लेकिन वह अभी भी इस गठबंधन के बाहर ही खड़ा है और दोनों नए ध्रुवों से कुछ दूरी बनाए हुए है। वहीं अमेरिका के साथ भी उसके रिश्ते ट्रंप की अक्खड़ और हुक्म देने वाली शैली के कारण बिगड़ चुके हैं।

चीन के नेतृत्व वाली "कोर फॉर्मेशन" से भारत की दूरी उस समय साफ नज़र आई जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और ईरान के राष्ट्रपति के साथ खड़े होकर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया। भारत बीजिंग में बैठकर चीन की ऐसी सैन्य परेड का हिस्सा नहीं बन सकता। भारत के लिए ज़रूरी है कि वह अपनी सैन्य शक्ति को इतना मज़बूत करे कि चीन की ताकत का सामना कर सके और अपनी सीमाओं की रक्षा कर सके।

भारत और चीन के बीच दोस्ती के दिखावे के बावजूद तनाव के मुद्दे बने हुए हैं, जिन्हें हमेशा के लिए नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ठीक वैसे ही जैसे रूस और चीन के बीच अनंत दोस्ती के वादे भी असली मतभेदों को छुपा नहीं सकते। इस बैठक ने दिखा दिया है कि दुनिया के रणनीतिक ढांचे में बड़ा बदलाव हो रहा है। इस नए ढांचे में भारत अलग-थलग लेकिन मज़बूत शक्ति केंद्र बनकर खड़ा है। जबकि, पश्चिमी देश और चीन की अगुवाई वाला नया गठबंधन अब दो ध्रुवों के रूप में उभर रहे हैं। इस नए ढांचे का सबसे अहम पहलू यह है कि रूस अब एक बड़े खिलाड़ी और पश्चिमी गठबंधन को संतुलित करने वाली ताकत की भूमिका से पूरी तरह बाहर हो चुका है। वह अब चीन का अधीनस्थ बन गया है, चाहे बाहर से कुछ और दिखाने की कोशिश क्यों न हो।

पश्चिमी मीडिया पहले ही इस नए गठबंधन को "अस्थिरता की धुरी" कहने लगा है, जिसमें चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान मुख्य भूमिका में हैं।

यह पूरा घटनाक्रम दिखाता है कि कोई देश कितनी जल्दी और कितनी बुरी तरह गिर सकता है। कभी निकिता ख्रुश्चेव से लेकर लियोनिद ब्रेज़नेव के दौर में रूस दुनिया की महाशक्ति था, हथियारों और विज्ञान-तकनीक दोनों में श्रेष्ठ। लेकिन आज वह ताकत खत्म हो चुकी है। शीतयुद्ध का दौर रूस के लिए कहीं ज्यादा गरिमा और ताकत वाला था, बनिस्बत आज के, जब अपने एकमात्र सहारे के रुप में वो चीन से दोस्ती दिखाने को मजबूर है। आज का रूस भूल गया है, जॉन मिल्टन की "पैराडाइज़ लॉस्ट" की वह अमर पंक्ति, जिसमें शैतान कहता है, नरक में राजा बनना बेहतर है, बजाय इसके कि स्वर्ग में नौकर बना जाए। यूरोपीय संस्कृति और सोच से जुड़े रहने वाला रूस अब एक अलग ही रास्ते पर चल पड़ा है और एक बीते हुए साम्राज्य के गलत सपनों के पीछे भाग रहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600